ओमशान्ति मीडिया

25 अगस्त, विश्व बंधुत्व दिवस पर विशेष...

वर्ष - 27 | अगस्त -2025 | अंक - 09 | माउण्ट आबू | Rs.-20

आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत के संकल्प के साथ विश्व परिवर्तन के कार्य में किया अपना जीवन समर्पित

शान्तिवन-आबू रोड(राज.)। 116 बेटियां अध्यात्म की राह पर चलते हुए शिवप्रिया बन गईं। शिवलिंग को वरमाला पहनाकर परमात्मा शिवबाबा को अपना जीवन साथी बनाया और आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का संकल्प लिया। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शान्तिवन में आयोजित अलौकिक दिव्य समर्पण समारोह में देशभर से उच्च शिक्षित बीए, एमए, एमकॉम, डॉक्ट्रेट बेटियों ने अपने माता-पिता और परिजन के सामने संयम पथ पर चलने और ईश्वरीय सेवा का संकल्प लिया। इस महा समर्पण के पांच हजार से अधिक लोग साक्षी बने। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी ने कहा कि धन्य हैं वह माता-पिता जिन्होंने अपनी लाडलियों को ईश्वरीय सेवा में अर्पित किया है। आप सभी जिस भी सेवाकेन्द्र पर रहें, वहां खुश रहें, प्रसन्न रहें और परमात्मा का नाम रोशन करें। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने कहा कि युवावस्था में संयम का मार्ग अपनाना अपने आप में प्रेरक और महान कार्य है।

> परमात्मा को साक्षी मानकर पांच हजार लोगों की मौजूदगी में 116 बेटियों ने लिया संयम पथ पर चलने का संकल्प। अलौकिक दिव्य समारोह में मंचासीन सभी बेटियों ने शिवलिंग को वरमाला पहनाकर बनाया अपना जीवनसाथी।

इन्होंने भगवान को जमाई बना लिया:- संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि आप सभी माता-पिता बहुत भाग्यशाली हैं जो भगवान को ही जमाई बना लिया। अपनी कन्या के लिए सबसे अच्छा घर और वर ढूंढ़ा है। आप कितने भाग्यशाली हैं कि आपकी बेटी जो कभी विधवा नहीं होगी, वह सदा सुहागिन रहेगी। इन बेटियों का परम सौभाग्य है कि इन्होंने अपना जीवन ही परमात्मा की सेवा में लगा दिया।

वह दिन इन बेटियों का सदा याद रहेगा:- अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि आज जिन कुमारियों का समर्पण हो रहा है उन्हें जन्म देकर संस्कारित करने वाले माता-पिता धन्य हैं। इन कन्याओं को इस लायक बनाया है कि वह ब्रह्माकुमारी बन सकीं, इनकी टीचर्स ब्रह्माकुमारी बहनों का भी बड़ा त्याग है। मीडिया विंग के उपाध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. आत्मप्रकाश ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन ब्र.कु. शारदा दीदी ने किया। मधुर वाणी ग्रुप के कलाकारों ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दे भाव विभोर कर दिया। डॉ. दामिनी, अहमदाबाद ने अपनी मधुर आवाज से समारोह में समां बांध दिया। राजकोट से आये कलाकारों के दल ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी।

वरिष्ठ दादी-दीदियों ने सभी को एक-एक संकल्प पत्र दिए और यह तीन संकल्प कराए

- **पहला:-** मैं आज से मन-वचन-कर्म से परमात्मा को अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर रही हूं। आज मैं परमात्मा शिव को साजन, पति के रूप में स्वीकार करती हूं। मैं यह निर्णय अपनी स्वेच्छा से ले रही हूं जिसका मैं अंतिम श्वास तक पालन करूंगी।
- **दूसरा:-** मैं सदा इस ईश्वरीय यज्ञ के बनाए गए नियम-मर्यादा में रहकर चलूंगी, सेवा करूंगी और सदा अपनी आध्यात्मिक उन्नति के लिए ज्ञान-योग-साधना को अपने जीवन का लक्ष्य बनाऊंगी। जिस लक्ष्य पर चलकर अपने जीवन को देवतुल्य बनाऊंगी।
- **तीसरा:-** इस ईश्वरीय यज्ञ, परिवार की वरिष्ठ दीदियां ईश्वरीय सेवा में जहां रहने, सेवा के लिए कहेंगी वहां खुशी-खुशी सेवा के लिए तैयार रहूंगी। विपरीत परिस्थिति में भी खुश रहते हुए सेवा के लिए हर बात में हां जी का पाठ पक्का करूंगी। भगवान के घर से जो खाने और पीने को मिलेगा उसमें सदा खुश-राजी रहूंगी। सदा हां जी का पाठ पक्का करते हुए सभी की दुआएं प्राप्त करूंगी।

समर्पण कार्यक्रम में केक कटिंग करते हुए अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी व राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी, संस्थान के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा, ज्ञानामृत पत्रिका के संपादक राजयोगी ब्र.कु. आत्मप्रकाश तथा अन्य।